समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 28 August 2026

एमिरेट्स एयरलाइंस का बड़ा फैसला उड़ान मे अंब नहीं कर पाएंगे मोबाइल-लैपटॉप चार्ज

Publisher Published on 01 Oct 2025

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित एयरलाइनों में शुमार **एमिरेट्स एयरलाइंस** ने यात्रियों के लिए एक बड़ा नियम लागू किया है। एयरलाइन ने घोषणा की है कि अब उसकी उड़ानों में यात्री मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को **पावर बैकं से चार्ज नहीं कर सकेगें**। यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है और इसका पालन सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

एमिरेट्स की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यात्री अपने साथ पावर बैंक ज़रूर रख सकते हैं, लेकिन वे इसका उपयोग केवल विमान से उतरने के बाद ही कर पाएंगे। उड़ान के दौरान पावर बैंक का इस्तेमाल सख्त रूप से प्रतिबंधित रहेगा। एयरलाइन ने सभी यात्रियों से यह भी अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपने इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को पूरी तरह चार्ज करके लाएं ताकि किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

सुरक्षा कारणों से लिया गया निर्णय

एमिरेट्स एयरलाइंस ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब विश्वभर में हवाई यात्रा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संबंधित घटनाएं बढ़ रही हैं। खासकर पावर बैंक और लिथियम-आयन बैटरियों के चलते आग लगने की आशंका रहती है। पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जब उड़ान के दौरान पावर बैंक या लैपटॉप की बैटरी अचानक गर्म होकर धुआं छोड़ने लगी या उसमें विस्फोट जैसी स्थिति बन गई।

अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा नियमों के तहत पहले से ही यह तय है कि यात्री पावर बैंक को केवल हैंड बैगेज में रख सकते हैं और इसे चेक-इन बैगेज में नहीं डाल सकते। लेकिन अब एमिरेट्स ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए उड़ान के दौरान इसके इस्तेमाल को पूरी तरह बैन कर दिया है।

यात्रियों पर असर

यह नियम उन यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है जो लंबे सफर के दौरान लगातार अपने लैपटॉप या टैबलेट का इस्तेमाल करते हैं। खासकर बिजनेस क्लास के यात्री, जो उड़ान में काम करना पसंद करते हैं, उन्हें अब अपने डिवाइस को पहले से पूरी तरह चार्ज रखना होगा। हालांकि, विमान में पहले से ही चार्जिंग पोर्ट उपलब्ध होते हैं, लेकिन पावर बैंक से चार्जिंग पर लगे बैन के चलते यात्रियों की स्वतंत्रता कुछ हद तक सीमित हो जाएगी।

एमिरेट्स एयरलाइंस का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा दोनों को संतुलित रखना उसकी प्राथमिकता है। कंपनी का मानना है कि यह छोटा सा प्रतिबंध यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

क्या अन्य एयरलाइंस भी अपनाएंगी यह नियम ?

विशेषज्ञों का मानना है कि एमिरेट्स एयरलाइंस का यह फैसला आने वाले समय में अन्य बड़ी एयरलाइंस के लिए भी उदाहरण बन सकता है। पावर बैंक और बैटरियों से जुड़े खतरे हर एयरलाइन के लिए चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में संभावना है कि अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस भी इसी तरह का कदम उठा सकती हैं। पहले भी कुछ एयरलाइंस ने उड़ानों में हाई-पावर पावर बैंक और कुछ विशेष मॉडल्स के लैपटॉप को ले जाने पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया था।

यदि यह ट्रेंड आगे बढ़ा तो यात्रियों को भविष्य में और भी कड़े नियमों का पालन करना पड़ सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि एयरलाइंस को साथ ही यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक समाधान भी उपलब्ध कराना होगा।

एयरलाइंस और यात्री सुरक्षा

हवाई यात्रा में सुरक्षा हमेशा से सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। विमान के अंदर किसी भी तरह की आग या विस्फोट की संभावना बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। पावर बैंक और लिथियम बैटरियां इस खतरे को बढ़ा देती हैं क्योंकि इनमें आग पकड़ने की क्षमता अधिक होती है। एमिरेट्स का यह निर्णय इस खतरे को न्यूनतम करने की दिशा में उठाया गया कदम है।

एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यात्रियों को इस फैसले को समझना चाहिए और इसे अपनी सुरक्षा से जोड़कर देखना चाहिए। भले ही यह फैसला थोड़ी असुविधा लेकर आया हो, लेकिन लंबे समय में यह कदम हवाई यात्राओं को और सुरक्षित बनाएगा।

एमिरेट्स एयरलाइंस का उड़ान में पावर बैंक से मोबाइल, टैब और लैपटॉप चार्ज करने पर लगाया गया प्रतिबंध एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है और इसकी गंभीरता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हालांकि यात्रियों को कुछ असुविधा होगी, लेकिन एयरलाइन का तर्क है कि सुरक्षा से बड़ा कोई मुद्दा नहीं हो सकता।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.